वेदांता ने वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 400 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग किया

गास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर, धातु, तेल एवं गैस, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी वैश्विक कंपनी वेदांता समूह ने प्रकृति के अनुकूल विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने लगभग 400 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग किया। इससे वित्त वर्ष 2020-21 से अब तक लगभग 3.6 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। यह एक साल के लिए करीब 80 लाख यात्री वाहनों को सड़कों से हटाने के बराबर है। अपनी ईएसजी रणनीति के तहत वेदांता कार्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ-साथ जल संरक्षण, प्राकृतिक पर्यावरण को बेहतर बनाने और जैव विविधता के संरक्षण पर भी काम कर रही है। इन प्रयासों से भारत के जलवायु और पर्यावरण से जुड़े लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। प्रकृति के संरक्षण की शुरूआत पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने

से होती है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, वेदांता द्वारा इस्तेमाल की गई नवीकरणीय ऊर्जा में वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में लगभग 450 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं, कंपनी के धातु और खनन कारोबार में उत्सर्जन की मात्रा में लगभग 14 प्रतिशत की कमी आई। वेदांता वर्ष 2050 या उससे पहले नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।